INDUSTRIES DEPARTMENT

No. 44/6/95/11 B1.—The Governor of Haryana on the recommendation of the Board of Directors of Haryana Financial Corporation is pleased to gurantee the repayment of the term loan/line of credit along with interest for Rs. 10,00,00,000/-(Rupees ten crores only) to be raised from Syndicate Bank at the interest rate of 15.5% p.a. payable half yearly/quarterly for a period of 5 to 7 years subject to the approval of the Central Government Industrial Development Bank of India.

The 20th October, 1995.

L. M. GOYAL,

Financial Commissioner and Secretary to
Government Haryana, Industries Department.

UTTAR PRADESH SHASAN

Gopan Anubhag-5

LUCKNOW

The 22nd September, 1995

No. 132/2/6/93-CX-5.—Where as the State Government has reason to believe that Sri Somnath, son of Sri Tela Ram, resident of 305/9, Sabzi Mandi, P.S. Kotwali Sadar, Chandigarh, Panipat (Haryana) in respect of whom detention order No. 132/2/6/93-CX-5, dated 21, August, 1995 under clauses (i) and (iii) of sub-section (I) of section 3 of the Conservation of Foreign Exchange and Prevention of Smuggling Activities Act, 1974 (Act No. 52 of 1974) has been made, has absconded or is concealing himself so that the said order can not be executed.

Now, therefore, in exercise of the powers under clause (b) of sub-section (I) of section 7 of the afforesaid Act, the Governor is pleased to direct the said Sri Somnath to appear before the Chief Judicial Magistrate Panipat in his Court within thirty days from the date of the publication of this Notification in the Official Gazette.

BY ORDER

HARISH CHANDRA GUPTA,

Pramukh Sachiv Grih.

उत्तर प्रदेश सरकार

गोपन अनुभाग-5

अधिसूचना

दिनांक 22 सितम्बर, 1955

संख्या 132/2/6/93-सी० एक्स०-5.--चूंकि राज्य सरकार को यह विश्वास करने का कारण है कि श्री सोमनाथ, पुत्र श्री तोताराम, निवासी 305/9, सब्जी मण्डी थाना कोतवाली सदर, चांदनीबाग, पानीपत (हरियाणा) जिनके सम्बन्ध में "दि कंजरवेशन आफ फारेन एक्सचेंज ऐण्ड प्रिवेंशन आफ स्मगलिंग ऐक्टीविटीज ऐक्ट, 1974" (ऐक्ट संख्या 52, 1974) की धारा 3 की उपधारा (1) के खण्ड (i) व (iii) के अधीन निरोधादेश संख्या 132/1/6/93-सी० एक्स०-5, दिनांक 21 अगस्त, 1993 दिया गया है, फरार हो गये हैं अथवा अपने को छुपाये हुये हैं जिससे कि उक्त आदेश निष्पादित नहीं किया जा सकता है।

2. अतएव अब, उपरोक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के खण्ड (बी) के अधीन शक्ति का प्रयोग करके राज्यपाल महोदय उक्त श्री सोमनाथ को इस अधिसूचना के सरकारी गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से तीस दिन के भीतर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, पानीपत के समक्ष उनके न्यायालय में हाजिर होने का निदेश देते हैं।

आज्ञा से,

हरीश चन्द्र गुप्ता,

प्रमुख सचिव, गृह।